

भारत और बेलारूस

प्रलमिस के लयि:

भारत-बेलारूस, UNSC, NSG, NAM ।

मेन्स के लयि:

भारत-बेलारूस संबंघ और आगे की राह ।

चरचा में क्यों?

भारत ने 3 जुलाई, 2022 को बेलारूस को उसकी 78वीं स्वतंत्रता जश्न के अवसर पर बधाई दी ।



भारत-बेलारूस संबंघ:

- **राजनयिक संबंध:**
 - बेलारूस के साथ भारत के संबंध परंपरागत रूप से मधुर और सौहार्दपूर्ण रहे हैं।
 - भारत, वर्ष 1991 में सोवियत संघ के वधितन के बाद बेलारूस को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था।
- **बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन:**
 - **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** और **परमाणु आपूर्तिकरता समूह (NSG)** जैसे कई बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग दिखाई देता है।
 - बेलारूस उन देशों में से एक था जिनके समर्थन ने जुलाई 2020 में UNSC में अस्थायी सीट के लिये भारत की उम्मीदवारी को मज़बूत करने में मदद की।
 - **भारत ने गुटनरिपेक्ष आंदोलन (NAM)** में बेलारूस की सदस्यता और **अंतर-संसदीय संघ (IPU)** जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय एवं बहुपक्षीय समूहों जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेलारूस का समर्थन किया है।
- **व्यापक भागीदारी:**
 - दोनों देशों के बीच एक व्यापक साझेदारी है और वदिश कार्यालय परामर्श (FOC), अंतर-सरकारी आयोग (IGC), सैन्य तकनीकी सहयोग पर संयुक्त आयोग के माध्यम से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर वचारों के आदान-परदान के लिये तंत्र स्थापति किया गया है।
 - दोनों देशों ने व्यापार और आर्थिक सहयोग, संस्कृति, शिक्षा, मीडिया एवं खेल, पर्यटन, वजिज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, कृषि, वसुतुर **द्वोहरे कराधान से बचाव**, नविश को बढ़ावा देने व संरक्षण सहति रक्षा एवं तकनीकी सहयोग जैसे विभिन्न वषियों पर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं।
- **व्यापार और वाणजिय:**
 - आर्थिक क्षेत्र में वर्ष 2019 में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार कारोबार 569.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था।
 - वर्ष 2015 में भारत ने बेलारूस को बाज़ार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया और 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से भी आर्थिक क्षेत्र के विकास में मदद मली है।
 - बाज़ार अर्थव्यवस्था का दर्जा **बैंचमार्क के रूप में स्वीकार किये गए वसुतु का नरियात करने वाले देश को दिया जाता है। इस स्थिति से पहले देश को गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्था (NME) के रूप में माना जाता था।**
 - बेलारूसी व्यवसायियों को **'मेक इन इंडिया'** परियोजनाओं में नविश करने के लिये भारत के प्रोत्साहन का लाभ मलि रहा है।
- **भारतीय प्रवासी:**
 - बेलारूस में भारतीय समुदाय के लगभग 112 भारतीय नागरिक और 906 भारतीय छात्र हैं जो बेलारूस में राज्य चकितिसा वशिववदियालयों में चकितिसा की पढाई कर रहे हैं।
 - भारतीय कला और संस्कृति, नृत्य, **योग**, आयुर्वेद, फलिम आदि बेलारूसी नागरिकों के बीच लोकप्रिय हैं।
 - कई युवा बेलारूसवासी भी हदि और भारत के नृत्य रूपों को सीखने में गहरी रुचि रखते हैं।

आगे की राह:

- वैश्विक भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक आकर्षण केंद्र के एशिया में क्रमिक बदलाव को ध्यान में रखते हुए भारत के साथ सहयोग अंतरराष्ट्रीय व्यापार और नविश के लिये अतरिकित अवसर पैदा करता है।
- बेलारूस को वविधितापूर्ण एशिया में कई भौगोलिक उप-क्षेत्रों के साथ संबंध स्थापति करने की आवश्यकता है। दक्षिण एशिया में भारत ऐसे सतंभों में से एक बन सकता है, लेकिन बेलारूसी पहल नश्चिति रूप से भारत के राष्ट्रीय हतियों और धार्मिक उद्देश्यों (National Interests and Sacred Meanings) के "मैट्रक्स" में आनी चाहिये।
- साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिये कुछ छपि हुए आरक्षण भी हैं। बेलारूस भारतीय दवा कंपनियों हेतु यूरेशियन बाज़ार में "प्रवेश बडुि" बन सकता है।
- साझा विकास सहति सैन्य और तकनीकी सहयोग की संभावना का पूरी तरह से खुलासा नहीं किया गया है। यह सनिमा (बॉलीवुड) भारतीय व्यापार समुदाय और पर्यटकों के हति को प्रोत्साहति कर सकता है।
- पारंपरिक भारतीय चकितिसा पद्धति (आयुर्वेद + योग) के आधार पर बेलारूस में स्थापति किये जा रहे मनोरंजन केंद्रों द्वारा पर्यटन और चकितिसा सेवाओं के नरियात में अतरिकित वृद्धि सुनिश्चिति की जा सकती है।
- आपसी हति बढ़ाने के लिये नए नवोन्मेषी विकास बडुिओं की स्थापना तथा सफल वचारों को प्रोत्साहति करना और सक्रिय वशिषज्ञ कूटनीतिसंचार का प्रमुख महत्त्व है।